प्रयोजनमूलक हिन्दी और रोजगार

प्रा.डॉ. संतोष विजय येरावार
हिंदी विभाग
देगलूर महाविद्यायल,देगलूर

फीचर समाचार पत्र की आधुनातम लेखन विद्या हैं फीचर के बिना समाचार - पत्र निष्प्राण हो जाता है | फीचर से समाचार पत्र को विशिष्टता मिलीती है | और हिंदी पत्रकारिता में फिचर लेखन व्दारा रोजगार प्राप्त होता ह | समाचार पत्र मानव की रुचि को मनोरंजनात्मक सामग्री के साथ सचित्र रुप में प्रकाशित करके सामान्य जनता तक पँहुचाता है | फीचर किसी घटना, व्यक्ति, वस्तु स्थान के बारे में लिखा गया लेख है | यह लिखते समय कल्पनाशीलता, मनोरंजनात्मक प्रभावात्मकता और आकर्षक शैली में प्रस्तुत किया जाता है | फीचर लेखन के लिए नियमित अध्ययन समृध शब्द भंडार, आकर्षक प्रस्तुती जरुरी है | प्रभावी फीचर के लिए निरंतर अध्ययन, संदर्भ ग्रंथों का संकलन हमेश करना चाहिए | साथ ही समृध्द शब्द भंडार होना चाहिए इससे लेखन में सरलता सहजता आती है | आकर्षक प्रस्तुति सार्थक चित्र समाज के महत्वपुर्ण लोगों के साक्षात्कार एक सफल फीचर निर्मिती में साहाय्यक होते है | ‘‘दिन-प्रतिदिन -पत्रों सूचना विभागों तथा रेडियों और दुरदर्शन केन्द्र में अच्छे फीचर लेखको की निरन्तर बढती हुई माँग फिचर की महत्ता और महिमा को रेखांकित करती हैं | और इससे कई हिंदी विद्वतजनो को पत्रकारीता, रेडियों, दुरदर्शन में अच्छा रोजगार प्राप्त हो सकता है |

पटकथा लेखन करते समय मूल कथा को संक्षिप्त करके अलग अलग मुद्दो में लिखा जाता है | और बादमें कथा को विकसित करके उसे चित्रित किया जाता है | पटकथा मे फिल्म से जुडे कैमरा ध्वनी, अभनय, संवाद आदि को महत्वपुर्ण निर्देश दिये होते है | पटकथा लेखक का शब्द भांडार समृध्द होना अनिवार्य होता है | पटकथा कीसी भी घटना या दृश्य पर लिखि जाती है | पटकथा के लिए सबसे महत्व पुर्ण नाटकीयता होती है | नाटकीयतासे कथावस्तु को पटकथा के शिल्प में डालना पडता है जिससे पटकथा आकर्षक होती है, और उसे को गति आति है | आकर्षक पटकथा ही सफल होती है और उस पटकथा को कई फिल्म निर्माता खरीदना चाहते है | और इसी से तो आज कई हिंदी छात्र घर बैठकर पटकथा लेखन करके रोजगार प्राप्त कर सकते हैं |

फिल्म की पटकथा लिखते समय स्थल काल अनुसार पात्रों का परिचय आवश्यक है तद्उपरांत दो विरुध्द विचार,घटना में किसी बात पर संघर्ष करते कथानक को आगे बढना चाहिए इस के उपरांत फिल्म की कथा को चरम अवस्था में लाकर सामने वाले को आनंद देना चाहिए | फिल्म की पटकथा लिखते समय शुरुवात और अंत महत्वपुर्ण होते है | क्योंकि इन दोनो के बिच ही पूरी कथा घूमती रहती है अगर दोनों में मेल जोल नहीं तो वह पटकथा व्दारा निर्मित फिल्म सफल नहीं हो सकती

वर्तमान मे विश्व की हर भाषाओं में, हर क्षेत्र में अनुवाद की आवश्यकता बढ रही है | कला, धर्म, साहित्य, दर्शन, शिक्षा, संस्कृति, विज्ञान,तकनीक, वाणिज्य, राजनीति, व्यापार, समाजशास्त्र आदि अनेको शाखाओं मे होनेवाले कार्य, संशोधन एवं गतिविधीयाँ एक राष्ट्र से दुसरे राष्ट्र में, एक संस्कृति से दुसरे संस्कृति मे पहूचाने का कार्य अनुवाद के व्दारा हो रहा है | आज अनुवाद समाज के प्रत्येक घटक की आवश्यकता बन गया है |

किसी भी समाज की संस्कृति एवं सभ्यता का परिचय एवं अदान-प्रदान, तुलनात्मक अध्ययन, अनुवाद के माध्यम से भाषा और साहित्य को समृध्द करना, राष्ट्रीय एकात्मता को बढाना, विश्वग्राम संकल्पना को आत्मसता करना, आंतरराष्ट्री सद्भाव एवं मानवता को वृध्दीगंत करना, राष्ट्र विकास हेतू तंत्रज्ञान एवं विज्ञान का अदान-प्रदान करना, वैश्विक मूल्यों को स्थापित करना, व्यवसाय एवं व्यापार में सहायता निर्माण करना, संशोधन को बढावा देना आदि अनेकों क्षेत्रों में अनुवाद एवं अनुवादक को महत्वपुर्ण भुमिका अदा करनी पडती है | अनुवाद के इस युग में अनुवादक की माँग बढ रही है | अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार की अनेको संभावनाए बढ गई है | बँक में निरिक्षण अधिकारी, बीमा क्षेत्र में जनसंपर्क अधिकारी, बँको में राजभाषा अधिकारी, केंद्रिय कार्यालय में मुख्य राजभाषा अधिकारी, केंद्रिय कार्यालय में मुख्य राजभाषा अधिकारी, आकशवाणी,दुरदर्शन, सिनेमा, समाचारपत्र संपादक, टेलिफोन,वाणिज्य क्षेत्र, सुत्रसंचलन,कृषि क्षेत्र, पर्यटन क्षेत्र, क्रिडा समालोचन, विविध धारावाहिक लेखन, संवादलेखन, कोष निर्माण

क्षेत्र, विज्ञापन क्षेत्र साहित्यिक क्षेत्र, पर्यटक मार्गदर्शक, सरकारी गैर सरकारी कार्यालय, एम.पी.एस.सी., यु.पी.एस.सी., विज्ञापन आदि क्षेत्र में अनुवाद के कारण रोजगार की सँभावनाए बढ रही है | अनुवाद क्षेत्र में रोजगार के अनेकों महत्वपुर्ण अवसर दिखाई देते है |

विज्ञापन अनुवाद के क्षेत्र में भी रोजगार की सभावनाएँ बढ रही है | विज्ञापन का क्षेत्र अत्यंत्य विस्तृत एवं व्यापक होने के कारण वैश्वीकरण नें व्यापार के दरवाजे खुल हो गार, जिस कारण विज्ञापन लेखन व विज्ञापन अनुवाद की माँग बढ गई | विश्व की अनेकों भाषाओं के विज्ञापन भारतीय भाषाओं में अनुवादित होने लगे| अनेंको अंग्रेजी भाषा के विज्ञापन को एजन्सीज व्दारा अनुवादित किया जाता हैं | जैसे जाती है |

Neighbour's envy,owner's pride
पडोसियाँ की जले जान, आपकी बढे शान (ओनिडा टी.वी.)

who's afraaid of birth days
उम्र से क्या घबराना (पोडस क्रीम)

incredible India
अतुल्य भारत (भारतीय पर्यटन विभाग)

With You For You always
सदैव आपके लिए आपके साथ (दिल्ली पुलिस)

विज्ञापन संस्थाओ में मूल रुप से अंग्रेजी में विज्ञापन बनाऐ जाते है | भारत में अनेकों बहुराष्ट्रीय कंपनी के उत्पाद का विज्ञापन पहले अंग्रेजी में बनता है तथा बाद में उसका हिंदी अनुवाद किया जाता है | बडी कंपनियाँ प्रायः प्रथमतः अपनी विज्ञापन सामग्री अंग्रेजी में ही तैयार करती हैं फिर उनका अनुवाद भारतीय भाषाओं मं कराती है|

संदर्भ संकेत

1) प्रयोजन मूलक हिंदी के अधुनातम आयाम- डॉ.अंबादास देशमुख
2) फिचर लेखन स्वरुप और शिल्प-डॉ. मनोहर प्रभाकर
3) अनुवाद पुनः निरीक्षण एवं मुल्यांकन - डॉ. पुनरचंद टंडन
4) प्रयोजनमूलक हिंन्दी : सिध्दांत और प्रयोग - दंगल झाल्टे
5) प्रयोजनमूलक हिंन्दी - विनोद गोदरे
6) हिंदी अनुवाद एवं भाषिक संरचना : डॉ. शकुंतला पांचाळ
7) व्यावहारिक अनुवाद - विश्वनाथ अय्यर
8) प्रयोजन मूलक हिंदी अवधारणा और अनुवाद -गोवर्धन ठाकूर
9) हिंदी पत्रकारिता सिध्दांन्त और स्वरुप - सविता
10) पटकथा लेखन एक परिचय -मनोहर श्याम जोशी
11) पटकथा कैसे लिखे - राजेंद्र पांडे